What Is Education?

I suppose most of you understand English, although it does not matter if you do not, as your teachers and your elders understand it. Perhaps you would ask them afterwards to explain what I have been talking about; make a point of asking them, won't you? Because, what we are going to discuss for the next three or four weeks is very important; we are going to discuss what is education and what are its implications, not just passing examinations, but the whole implication of being educated. So, as we are going to talk about that every day, if you do not understand what I am saying now, please ask your teachers to explain it carefully. Also, after I have talked, perhaps you would ask questions. These talks are meant primarily for students, and if the older people want to ask questions, they should only ask questions that will help the students to understand, that will explain further the problem. To ask questions about their own personal problems will not help the students.

Don't you ask yourself why you are being educated? Do you know why you are being educated and what that education means? As we know, education is to go to school, to learn how to read and write, to pass examinations, and to play a few games; and after you leave school, you go to college, there again to study very, very hard for a few months or a few years, pass an examination and then get a job; and then you forget all about what you have learned. Is that not what we call education? Do you understand what I am talking about? Isn't that what we all do?

If you are girls, you pass a few examinations, B.A. or M.A., marry, and

शिक्षा क्या है?

मैं उम्मीद करता हूं कि आपमें से अधिकांश लोग अंग्रेजी समझ लेते होंगे। और यदि कुछ न भी समझते हों तो हर्ज नहीं क्योंकि यहां उपस्थित आपके शिक्षकगण एवं आपसे बड़े अन्य लोग अंग्रेजी समझते हैं। मैं जिस संबंध में बात कर रहा हूं, यदि आवश्यक हुआ तो उसे स्पष्ट करने के लिए आप उनसे भी अनुरोध कर सकेंगे; आप उनसे इस बारे में ज़रूर पूछिए। क्योंकि आगामी तीन-चार सप्ताहों में हम जिस विषय पर बात करने जा रहे हैं वह बड़ा ही महत्त्वपूर्ण है। हमारी चर्चा इस बारे में होगी कि शिक्षा क्या है तथा इसमें क्या-क्या शामिल है--केवल परीक्षा पास करना ही नहीं बल्कि शिक्षित होने का पूरा तात्पर्य क्या है। चूंकि हम इन सब चीज़ों के बारे में प्रतिदिन वार्ता करने वाले हैं, अतः जो कुछ भी मैं कह रहा हूं उसे यदि आप नहीं समझ पा रहे हैं तो  कृपया अपने अध्यापकों से कहें कि वे आपको इतमीनान से ये बातें समझाएं। चूंकि इन बातों का संबंध प्रमुख रूप से छात्रों से ही है, अतः बड़े लोग यदि कुछ पूछना चाहें तो वे केवल उन्हीं प्रश्नों को पूछें जिनसे छात्रों को अपनी समस्याओं के स्पष्टीकरण में सहायता मिले। यदि वे अपनी व्यक्तिगत समस्याओं के बारे में प्रश्न पूछेंगे तो उससे छात्रों को कोई लाभ नहीं होने वाला।

क्या आप स्वयं से यह नहीं पूछते कि आप क्यों पढ़-लिख रहे हैं? क्या आप जानते हैं कि आपको शिक्षा क्यों दी जा रही है और इस तरह की शिक्षा का क्या अर्थ है? अभी की हमारी समझ में शिक्षा का अर्थ है स्कूल जाना, पढ़ना-लिखना सीखना, परीक्षाएं पास करना और कुछ खेल आदि खेलना। विद्यालय की शिक्षा पूरी कर लेने के बाद आप कॉलेज में जाने लगते हैं, वहां फिर से कुछ महीने या कुछ वर्षों तक कठिन परिश्रम करते हैं, परीक्षाएं पास करते हैं और कोई छोटी-मोटी नौकरी पा जाते हैं, फिर जो कुछ आपने सीखा होता है उसे भूल जाते हैं। क्या इसे ही हम शिक्षा नहीं कहते? क्या आप समझ रहें कि मैं क्या कह रहा हूं? क्या हम सब यही नहीं कर रहे हैं?

आपमें से जो लड़कियां हैं वे बी. ए. या एम. ए. जैसी कुछ परीक्षाएं पास कर लेती हैं, विवाह कर

become cooks or something else, and then have children; and all the education that you have had for a number of years is useless. You know how to speak English, you are a little more clever, a little more tidy, a little more clean, that is all, is it not? And the boys get a technical job or become clerks or get some kind of government job, and that finishes it, does it not?

लेती हैं, खाना पकाती हैं या कुछ और बन जाती हैं, बच्चों को जन्म देती हैं और इस तरह से अनेक वर्षों में पाई जाने वाली शिक्षा पूर्णतः व्यर्थ हो जाती है। हां यह ज़रूर है कि वे जान जाती हैं कि अंग्रेजी कैसे बोली जाती है, वे थोड़ी-बहुत चतुर, सलीकेदार, सुव्यवस्थित हो जाती हैं और अधिक साफ-सुथरी रहने लगती हैं, पर बस उतना ही होता है, है न? इसी प्रकार लड़के कोई तकनीकी काम पा जाते हैं, क्लर्क बन जाते हैं या किसी तरह की शासकीय सेवा में लग जाते हैं, इसके साथ ही सब समाप्त हो जाता है। ऐसा ही होता है न?

You see, what we call 'living' is to get a job, to have children, to raise a family, and to be able to read newspapers or magazines, to discuss, to argue cleverly about something or other. That is what we call education, is it not? Have you noticed your own parents, your own elder people? They have passed examinations, they have got jobs, and they know how to read and write. Is that all that education means to us?

आप देख सकते हैं कि जिसे आप जीना कहते हैं वह नौकरी पा लेने, बच्चे पैदा करने, परिवार का पालन-पोषण करने, समाचार-पत्रों एवं पत्रिकाओं को पढ़ने, बढ़-चढ़ कर बातें कर सकने और कुशलतापूर्वक वाद-विवाद कर सकने तक ही सीमित होता है। इसे ही हम शिक्षा कहते हैं--है न ऐसा? क्या आपने कभी अपने माता-पिता और बड़े लोगों को ध्यानपूर्वक देखा है? उन्होंने भी परीक्षाएं पास की हैं, वे भी नौकरियां करते हैं और पढ़ना-लिखना जानते हैं। क्या शिक्षा का कुल अभिप्राय इतना ही है?

Education is something much more, is it not? It is to help you not only to get a job in the world, but also to meet the world, is it not? You know what the world is. In the world there is competition. You know what competition means—each man out for himself, struggling to get the best, pushing the others aside. In the world there are wars, there are class divisions and the fight between them. In the world every man is trying to get a better job, to keep on rising; if you are a clerk, you try to get a little higher, and so fight all the time. Have you not noticed it? If you have a car, you want a bigger car. So, there is that constant fight going on, not only within ourselves, but with all our neighbours. Then, there is a war which kills, which destroys people, like the last war, when millions were killed, wounded, or maimed.

शिक्षा का मसला कहीं अधिक व्यापक है। इसका काम इतना ही नहीं है कि दुनिया में यह आपको कोई नौकरी दिलाने में सहायक हो बल्कि यह भी है कि इस दुनिया का सामना करने में आपकी मदद करे। आप जानते हैं कि संसार क्या है। इस संसार में चारों तरफ प्रतिस्पर्धा है। आपको मालूम ही है कि प्रतिस्पर्धा का अर्थ क्या है: प्रत्येक व्यक्ति केवल अपना ही लाभ देख रहा है, अपने लिए सबसे बढ़िया चीज़ हथियाने के लिए संघर्षरत है और उसे पाने के लिए वह दूसरे सभी लोगों को एक ओर धकेल देता है। इस दुनिया में युद्ध हैं, वर्ग-विभाजन है और आपसी लड़ाई-झगड़े हैं। इस संसार में हर व्यक्ति अच्छे-से-अच्छा रोजगार पाने तथा अधिक-से-अधिक ऊपर उठने का प्रयत्न कर रहा है; यदि आप क्लर्क हैं तो और ऊंचा पद पाने का प्रयत्न करते हैं और इसीलिए हर समय संघर्षरत रहते हैं। क्या आप यह सब नहीं देखते हैं? यदि आपके पास एक कार है तो आप उससे भी बड़ी कार चाहते हैं। इस प्रकार यह संघर्ष अनवरत रूप से चलता रहता है, न केवल अपने भीतर बल्कि अपने सभी पड़ोसियों के साथ भी। फिर हम देखते हैं युद्ध, जिसमें हत्याएं होती हैं, लोगों का विनाश

होता है, जैसा पिछले विश्व-युद्ध में हुआ जिसमें करोड़ों लोग मारे गए, घायल हुए, अपाहिज बना दिए गए।

Our life is all this political struggle. And also, life is religion, is it not? What we call religion is rituals, going to temples, putting on something like the sacred thread, mumbling some words, or following some guru. Life is also, is it not, the fear of dying, fear of living, fear of what people say and do not say, fear of not knowing where one is going, fear of losing a job, fear of opinion. So, life is something extraordinarily complex, is it not? You know what that word complex means? It is very intricate, it is not something simple, which you just follow; it is very, very difficult, a great many things are involved.

यह सारा राजनीतिक संघर्ष हमारा जीवन है। इसके अलावा जीवन धर्म है, क्या नहीं है? जिसे हम धर्म कहते हैं वह तो कर्मकांड है, जैसे मंदिरों के चक्कर काटना, जनेऊ या कोई ऐसी चीज़ धारण करना, कुछ शब्द बुदबुदा देना, या किसी गुरु का पिछलग्गू बनना। मरने का भय, जीने का भय, लोग क्या कहेंगे और क्या नहीं कहेंगे इसका भय, न जाने हम किस ओर जा रहे हैं इसका भय, नौकरी छूट जाने का भय और धारणाओं का भय, क्या यही सब जीवन नहीं है? अतः क्या जीवन असाधारण रूप से जटिल चीज़ नहीं है? क्या आप जानते हैं कि 'जटिल' शब्द का क्या अर्थ है?--बहुत उलझा हुआ, यह इतना सरल नहीं है कि आप इसे तत्काल समझ लें; यह बहुत ही कठिन है, इससे अनेकों मुद्दे जुड़े हैं।

So, education is, is it not, to enable you to meet all these problems. You have to be educated so as to meet all these problems rightly. That is what education is—not merely to pass a few examinations in some silly subjects in which you are not at all interested. Proper education is to help the student to meet this life so that he understands it and won't succumb, won't be crushed under it as most of us are. People, ideas, public opinion, country, climate, food—all that is constantly pushing you in a particular direction in which society wants you to go. Your education must enable you to understand this pressure, not to yield to it, but to understand it and to break through it, so that you;s as an individual, as a human being, are capable of a great deal of initiative, and not merely traditional thinking. That is real education.

अतः शिक्षा का अर्थ क्या यह नहीं है कि इन सभी समस्याओं का सामना करने के लिए वह आपको समर्थ बनाए। यह आवश्यक है कि इन सभी समस्याओं का ठीक ढंग से सामना करने के लिए आपको शिक्षित किया जाए। यही शिक्षा है, न कि मात्र कुछ परीक्षाएं पास कर लेना, कुछ बेहूदा विषयों का--जिसमें आपकी रुचि बिलकुल नहीं है, उनका अध्ययन कर लेना। सम्यक शिक्षा वही है जो विद्यार्थी की इस जीवन का सामना करने में मदद करे, ताकि वह जीवन को समझ सके, उससे हार न मान ले, उसके बोझ से दब न जाए, जैसा कि हममें से अधिकांश लोगों के साथ होता है। लोग, विचार, देश, जलवायु, भोजन, लोकमत, यह सभी कुछ लगातार आपको उस खास दिशा में ढकेल रहे हैं, जिसमें कि समाज आपको देखना चाहता है। आपकी शिक्षा ऐसी हो कि वह आपको इस दबाव को समझने के योग्य बनाए, इसे उचित ठहराने के बजाय आप इसे समझें और इससे बाहर निकलें जिससे कि एक व्यक्ति होने के नाते, एक मनुष्य होने के नाते, आप आगे बढ़कर कुछ नया करने में सक्षम हो सकें और केवल परंपरागत ढंग से ही विचार करते न रह जाएं। यही वास्तविक शिक्षा है।

You know that, for most of us, education consists in learning what to think. Your

आप जानते हैं कि हममें से अधिकांश के लिए शिक्षा का अर्थ यह सीखना है कि हम क्या सोचें। आपका

society tells you;s your parents tell you;s your neighbours tell you;s your books tell you;s your teachers tell you what to think. The machinery of 'what to think' we call education, and that education only makes you mechanical, dull, stupid, uncreative. But if you knew how to think, not what to think, then you would not be mechanical, traditional, but live human beings; you would be great revolutionaries—not in the stupid sense of murdering people to get a better job or to push through a certain idea, but the revolution of knowing how to think rightly. That is very important. But, when we are at school, we never find out about all these things. The teachers themselves do not know. They only teach you how to read or what to read, and correct your English or mathematics. That is all their concern, and at the end of five or ten years, you are pushed out into this life about which you know nothing. Nobody has talked to you about it; or, if they have talked, they push you in certain directions—either to be a socialist, a communist, a congressite or some other—but they never teach you or help you to understand and how to think out all these problems, not just at one moment during a certain number of years, but all the time—which is education, is it not? After all, in a school of this kind that is what we must do, help you not merely to pass some stupid examinations, but to be able to meet life when you go out of this place, so that you are intelligent human beings, not mechanical, not Hindus or Muslims or Communists or some such thing.

समाज, आपके माता-पिता, आपका पड़ोसी, आपकी किताब, आपके शिक्षक ये सभी आपको बताते हैं कि आपको क्या सोचना चाहिए। 'क्या सोचना चाहिए' वाली यांत्रिक प्रणाली को हम शिक्षा कहते हैं और ऐसी शिक्षा आपको केवल यंत्रवत्, संवेदनशून्य, मतिमंद और असृजनशील बना देती है। किंतु यदि आप यह जानते हैं कि 'कैसे सोचना चाहिए'--ना कि 'क्या सोचना चाहिए'--तब आप यंत्रवत्, परंपरागत नहीं होंगे बल्कि जीवंत मानव होंगे; तब आप महान क्रांतिकारी होंगे--अच्छी नौकरी पाने या किसी विचाराधारा को आगे बढ़ाने के लिए लोगों की हत्या करने जैसे मूर्खतापूर्ण कार्य करने के अर्थ में क्रांतिकारी नहीं बल्कि ठीक-ठीक विचार कैसे करना चाहिए, उस अर्थ में। यह बहुत महत्त्वपूर्ण है। लेकिन जब हम विद्यालय में होते हैं तो इन चीज़ों की ओर कभी ध्यान नहीं देते। शिक्षक स्वयं इसे नहीं जानते! वे तो आपको केवल यही सिखाते हैं कि क्या पढ़ना चाहिए, कैसे पढ़ना चाहिए। वे आपकी अंग्रेजी या गणित सुधारने में व्यस्त रहते हैं। उन्हें तो इन्हीं सब चीज़ों की चिंता रहती है, और फिर पांच या दस वर्षों के बाद आपको उस जीवन में धकेल दिया जाता है जिसके बारे में आपको कुछ पता नहीं होता। इन सब चीज़ों के बारे में आपको किसी ने कुछ नहीं बताया है, या बताया भी है तो किसी दिशा में आपको धकेलने के लिए, जिसका परिणाम होता है कि आप समाजवादी, कांग्रेसी या कुछ और हो जाते हैं। परंतु वे आपको यह कभी नहीं सिखाते, न ही इस बारे में आपका सहयोग करते हैं कि जीवन की इन समस्याओं को कैसे सोचा-समझा जाए; और हां, कुछ देर के लिए इस पर चर्चा कर लेने से काम नहीं चलेगा बल्कि इन सारे वर्षों के दौरान बराबर इसकी चर्चा हो, यही तो शिक्षा है, है न? क्योंकि इस प्रकार के विद्यालय में हमें यही सब तो करना चाहिए। हमें केवल आपको इतनी मदद नहीं देनी कि आप बस छोटी-मोटी परीक्षाएं पास कर लें बल्कि इसमें भी आपका सहयोग करना हमारा कार्य है, कि जब आप इस स्थान को छोड़कर जाएं तो जीवन का सामना कर सकें, आप एक प्रबुद्ध मानव बन सकें नाकि मशीनी इंसान, हिंदू, मुसलमान, साम्यवादी या ऐसा ही कुछ और बन जाएं।

It is very important how you are educated, how you think. Most of the teachers do not know how to think; they merely get a job

यह अत्यंत महत्त्व रखता है कि आप किस प्रकार शिक्षित किए जा रहे हैं, आप किस ढंग से चिंतन-मनन करते हैं। अधिकांश शिक्षक सोच-विचार

and settle down. They have families, they have worries, they have fathers and mothers who say, ‘You must follow certain rituals, you must do this, you must do that’; they have their own problems, their own difficulties. They leave all those at home, come to school and teach a few lessons, but they do not know how to think, and we do not know how to think. In a school of this kind, surely it is very important for you;s for the teachers, for all of us who are living here, to consider all the problems of life, to discuss, to find out, to investigate, to inquire, so that our minds become so very alert that we do not just follow somebody. You understand what I am talking about? Is not all that education? Education is not just until the age of 21 but until you die. Life is like a river, it is never still, it is always moving, always alive and rich. When we think we have understood a part of a river and hold to that part, it is only dead water, is it not? Because, the river goes by. To watch all the movement of the river, all the things that are happening on the river, to understand, to be faced with it—that is life, and we all have to prepare for it.

नहीं करते, वे बस नौकरी मिल जाते ही निश्चिंत होकर एक जगह जम जाते हैं क्योंकि उनका परिवार होता है जिसकी उन्हें चिंता होती है, उनके माता-पिता होते हैं जो उनसे कहते हैं कि तुम्हें अमुक धार्मिक अनुष्ठान करना चाहिए, तुम्हें यह करना चाहिए, तुम्हें वह करना चाहिए। उनकी अपनी समस्याएं होती हैं, अपनी कठिनाइयां होती हैं। उन सबको वे वैसा ही छोड़कर विद्यालय आ जाते हैं, आपको कुछ पढ़ाते-लिखाते हैं; वे नहीं जानते कि सोच-विचार कैसे किया जाता है और न ही हमें इसका पता होता है। इस प्रकार के विद्यालय में निश्चय ही आपके लिए, शिक्षकों के लिए, हम सबके लिए, जो भी यहां रहते हैं उनके लिए यह बहुत ज़रूरी है कि जीवन की सारी समस्याओं पर विचार किया जाए, उन पर चर्चाएं की जाएं, उनका पता लगाया जाए, उनकी जांच-पड़ताल की जाए, छानबीन की जाए ताकि आपका मन इतना सतर्क हो जाए कि आपको दूसरों का अनुसरण न करना पड़े। जो कुछ मैं कह रहा हूं क्या उसे आप समझ रहे हैं? क्या यह सब शिक्षा नहीं है? शिक्षा सिर्फ इक्कीस साल की उम्र तक नहीं चलती बल्कि यह तो जीवनपर्यंत जारी रहती है। जीवन किसी नदी-सा होता है, और कभी स्थिर नहीं होता, सदैव गतिशील रहता है, सदैव जीवंत और समृद्ध होता है। जब हम समझते हैं कि हमने नदी के एक हिस्से को समझ लिया है और उस हिस्से को कसकर पकड़ कर रखते हैं तो वह सड़ा हुआ पानी होता है। क्योंकि नदी तो प्रवाह में रहती है। नदी की सारी गतिविधियों को, उन सारी चीज़ों को जो उस पर हो रही हैं ध्यानपूर्वक देखना, समझना, उनसे सीधे संपर्क में होना, यही जीवन है और इसके लिए हम सभी को तैयार होना है।

So, education really is not merely passing a few examinations but being able to think of all these problems so that your mind is not mechanical, traditional, so that your mind is creative, so that you do not merely fit into society but break it, create anew out of it—not a new thing according to the socialist, the communist, or the congressite, but a completely new thing—which is real revolution. And after all, that is the meaning of education, is it not, so that you grow in freedom, so that you can create a new world. The old people have

अतः वास्तव में शिक्षा का मतलब कुछ परीक्षाएं पास कर लेना भर नहीं बल्कि इन समस्त समस्याओं पर विचार करने के लायक होना भी है। ताकि आपका मन यांत्रिक और परंपराबद्ध न हो जाए, ताकि आपका मन सृजनशील हो, ताकि आप समाज के अनुकूल होने में ही न लगे रहें बल्कि उसे तोड़कर पूर्णतः नए का सृजन करें--समाजवादी, साम्यवादी या कांग्रेसवादी विचारधाराओं के अनुसार किसी नयी चीज़ का नहीं बल्कि एक नितांत नयी वस्तु का--यही वास्तविक क्रांति है। क्योंकि शिक्षा का तात्पर्य आखिरकार यही तो है कि आप स्वतंत्रता में विकसित हो सकें ताकि एक अभिनव विश्व का

not created a beautiful world; they have made a mess of the world. Is it not the function of education, of the educator, to see that you grow in freedom so that you can understand life, so that you can change things and not just grow dull, weary, and die as most people do?

सृजन संभव हो। पुराने लोगों ने कोई सुंदर संसार नहीं बनाया है उन्होंने तो उसे और भी अस्त-व्यस्त कर डाला है। क्या शिक्षा का और शिक्षक का कार्य यह देखना नहीं है कि आप स्वतंत्रतापूर्वक विकास करें ताकि आप चीज़ों को बदल सकें और यह न हो कि, जैसा अधिकांश लोगों के साथ होता है, आप भी संवेदनशून्य और जड़बुद्धि होकर एक दिन यूं ही मर जाएं।

So I feel, and most of us do feel who are serious about these things, that a place like this should provide an atmosphere in which you are given every opportunity to grow, uninfluenced, unconditioned, untaught, so that when you go out of here you can meet life intelligently, without fear. Otherwise, this place has no value; it will be like any rotten school, perhaps a little better because it happens to be in a beautiful place, people are a little kinder, they do not beat you;s though they may coerce you in other ways. We should create a school where the student is not pressed, is not enclosed, is not squeezed by our ideas, by our stupidity, by our fears, so that as he grows, he will understand his own affairs, he will be able to meet life intelligently. You know what all this requires—not only an intelligent student, a student who is alive, but also an educator, the right kind of educator. But the right kind of educators and the right kind of students are not born; we must struggle, discuss, push until the thing comes about. You know, to grow a beautiful rose you require a great deal of care, don’t you? To write a poem you must have the feeling, you must have the words to put it in. All that requires care, considerable watching. So, is it not very important that this should be such a place? If it is not such a place, it is nobody’s fault but your own and the teachers’. Do not say, ‘The teachers do not do this. It is the teachers’ fault if they do not create this place.’ Nobody else is going to create it; others are not going to create it. You and I and the teachers must do it. That is real revolution—to have the feeling

इसलिए मुझे और हममें से अधिकांश लोगों को जो इन बातों के प्रति गंभीर हैं यह महसूस होता है कि इस तरह के स्थान द्वारा एक ऐसा परिवेश निर्मित हो, एक ऐसा स्थान हो जहां आपको प्रभावित, संस्कारित और प्रशिक्षित किए बिना ही विकसित होने का हर अवसर मिल सके ताकि आप जब इस जगह को छोड़कर जाएं तो प्रज्ञापूर्वक और निर्भयता से जीवन को जी सकें। अन्यथा इस स्थान की कोई महत्ता न होगी; यह भी उन्हीं सड़े-गले अन्य विद्यालयों जैसा होगा--शायद उनसे यह कुछ बेहतर होगा क्योंकि सौभाग्य से यह एक सुंदर जगह पर स्थित है, यहां के लोग अधिक सौहार्दपूर्ण हैं, वे आपको मारते-पीटते नहीं, भले ही वे अन्य तरीकों से आपको प्रताड़ित करते हों। हमें एक ऐसे विद्यालय का निर्माण करना चाहिए जहां छात्रों का दमन न किया जाए, उन्हें बन्धन में नहीं रखा जाए तथा हमारी धारणाओं के द्वारा, हमारी मूर्खताओं और भयों के माध्यम से उनका शोषण न किया जाए ताकि वे जैसे-जैसे विकसित हों अपने वैयक्तिक मामलों को समझने लगें और विवेकपूर्वक जीवन का सामना करें। आप जानते हैं कि इन सब चीज़ों के लिए क्या आवश्यक है--इसके लिए केवल प्रतिभावान जीवंत छात्र ही नहीं बल्कि वैसे सही प्रकार के शिक्षक भी चाहिए। न तो ठीक तरह के शिक्षक हैं और न ही ठीक तरह के छात्र हैं--ये सभी जन्मजात नहीं होते हैं, इसके लिए हमें संघर्ष करना होता है, विचार-विमर्श करना पड़ता है और तब तक प्रयास करना पड़ता है जब तक कि यह घटित न हो जाए। आप जानते हैं कि सुंदर गुलाब उगाने के लिए आपको अत्यधिक प्रयत्नपूर्वक उसकी देखरेख करनी पड़ती है। कविता लिखने के लिए आपके पास एक भावदशा होनी चाहिए, उसे रचने के लिए आपके पास शब्द होने चाहिए। इस सब के लिए सावधानी व काफी अवलोकन की ज़रूरत पड़ती है। तो क्या यह बहुत ज़रूरी नहीं है कि यह स्थान भी ऐसा ही हो? यदि यह स्थान ऐसा नहीं बन पाता तो

that it is our school, which you and I and the teachers and all of us are building together.

इसके लिए आपके एवं शिक्षकों के अलावा कोई भी दोषी नहीं है। यह मत कहिए--'शिक्षक इसे नहीं कर रहे हैं और यदि वे ऐसे स्थान का निर्माण नहीं करते तो यह शिक्षकों का दोष है'। अन्य कोई इसे नहीं बनाएगा--आप, मैं और शिक्षक ही इसका निर्माण करेंगे। सच्ची क्रांति के लिए इस तरह की भावना का होना आवश्यक है कि यह विद्यालय हमारा है, इसका निर्माण आपको, मुझे, शिक्षकों तथा सभी को मिलजुलकर करना है।

So, it is very important, is it not, to understand what we mean by education—not ideals of education; such ideals are all nonsense. We must begin as we are, understand things as they are, and out of that, build. You do not have a readymade garden or school; you take the soil as it is, you till it, manure it, water it, and so create something out of nothing. As there is nothing, you will have to create, to build together.

अतः यह समझ लेना बड़ा ही महत्त्वपूर्ण है कि 'शिक्षा' से हमारा क्या अभिप्राय है। शिक्षा के आदर्शों की बात नहीं क्योंकि ऐसे आदर्श तो बकवास हैं। हम जैसे हैं वहीं से हमें आरंभ करना होगा, हम जैसे हैं वहीं से हमें चीज़ों को समझना होगा, उसी आधार पर निर्माण करना होगा। आपके पास कोई बना-बनाया उद्यान या विद्यालय नहीं होता, भूमि जैसी भी है आप उसे उसी रूप में ग्रहण करते हैं, उसमें उर्वरक डालते हैं, उसकी सिंचाई करते हैं और तब ना-कुछ से कुछ आता है। वस्तुतः जहां कुछ भी नहीं है वहां आपको कुछ उत्पन्न करना होगा, वहां मिलजुल कर निर्माण करना होगा।

Is it not very important for each one of us to know how to think rightly, not what to think, not what the books say, but how to think? That is what I would like to discuss with you for the next three or four weeks, namely, how to think, so that you and I at the end of it will have our minds very clear; and with that clarity, with that thinking, with that capacity, we can then go out and meet life.

क्या हममें से प्रत्येक के लिए यह जानना आवश्यक नहीं है कि ठीक ढंग से कैसे सोचा जाए? क्या सोचें यह नहीं और न ही यह कि पुस्तकें क्या कहती हैं बल्कि यह कि हम सोच-विचार कैसे करें। यही सब है जिस पर मैं अगले तीन-चार हफ्तों में आपसे बातचीत करना चाहता हूं; यही कि कैसे ठीक-ठीक सोचा जाए जिससे कि अंत में जाकर आपका और मेरा मन बिलकुल सुस्पष्ट हो और तब हम उस स्पष्टता के साथ, उस सोच-विचार के साथ, उस क्षमता के साथ बाहर निकल सकें और जीवन से रूबरू हो सकें।

May I ask you the question, 'What do you want to do when you leave the school and when you have been to college?' Do you know what you want to do? Don't you want jobs, is it not your primary concern to get a job? You have all become dumb. It is the first day and you are a bit shy. It will be all right in a couple of days. Please do not keep your shyness too long, we shall only be here for a few weeks.

क्या मैं आपसे यह प्रश्न पूछ सकता हूं कि स्कूल और कॉलेज की पढ़ाई के बाद आप क्या करना चाहते हैं? क्या आप जानते हैं कि आप क्या करना चाहते हैं? क्या आप नौकरी करना नहीं चाहते, क्या नौकरी पाना आपकी पहली चिंता नहीं है? आप सब तो जैसे गूंगे हो गए हैं! यह पहला दिन है और आप थोड़ा शरमा रहे हैं। एक-दो दिन में सब ठीक हो जाएगा। कृपया लम्बे समय तक अपना संकोच मत बनाए रखिए, हम केवल कुछ हफ्तों के लिए यहां रहेंगे।